AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि दीक्षांत : पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव मुख्य अतिथि

लखनऊ। एम्स, नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। वह विवि के पूर्व छात्र भी रह चुके हैं।

डॉ. बलराम भार्गव।

समारोह छह दिसंबर को विवि के कला प्रांगण में होगा। इसकी अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन COVAXIN के विकास में डॉ. भार्गव का महत्वपूर्ण योगदान है। वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक पद पर भी कार्य कर चुके हैं। साथ ही भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव के पद पर भी रह चुके हैं।

कुलपति ने किया समारोह स्थल का निरीक्षण : दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कला प्रांगण का निरीक्षण किया। तैयार किए पंडाल व अन्य व्यवस्थाओं को देखा। आवश्यक निर्देश भी दिए। (संवाद)

ज्योतिष विज्ञान का आधार गणितीय सिद्धांत

लविवि का दीक्षांत सप्ताह : ज्योतिर्विज्ञान विभाग में ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता पर व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। श्री शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि ज्योतिष विज्ञान गणितीय सिद्धांतों पर आधारित विद्या है। वह शनिवार को लविवि के दीक्षांत सप्ताह के तहत ज्योतिर्विज्ञान विभाग में ज्योतिषशास्त्र की वैज्ञानिकता और वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

उन्होंने ज्योतिर्विज्ञान विभाग के मूल भवन को बदले जाने पर दुख व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के डॉ. अभिमन्यु ने कहा कि ज्योतिष विज्ञान संस्कृत का मूल है। ज्योतिर्विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल पोरवाल ने कहा कि हम संस्कृत और ज्योतिष का अभ्यास भूल गए हैं। इस मौके पर डॉ. सत्यकेतु, डॉ. सतपति, डॉ. वर्षा दीपक डॉ. अनुज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

लविवि के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में आयोजित व्याख्यान में बोलते डॉ. अभिमन्यु। संवाद

इन विभागों में भी हुए आयोजन : काउंसलिंग एवं गाइडेंस से हैप्पी थिंकिंग लैब में भाषा एवं व्यक्तित्व निर्माण पर कार्यशाला हुई। भूगोल विभाग में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचनातंत्र की मौलिक संकल्पना एवं अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान हुआ। व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में रंगोली प्रतियोगिता हुई। डीन प्रो. रचना मुज्जू के निर्देशन में 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभा दिखाई। अर्थशास्त्र विभाग में अध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह की मौजूदगी में निबंध प्रतियोगिता हुई। भूगर्भ विज्ञान विभाग में रत्नों की रोचक दुनिया विषय पर व्याख्यान हुआ।

समाज कार्य विभाग में विज्ञान फाउंडेशन की ओर से बाल संवाद में विभिन्न स्कूलों के बच्चे मौजूद रहे। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी, श्याम त्रिपाठी व अनीता अग्रवाल मौजूद रहे।

संस्कृति सुरभि का समापन

लखनऊ। जानकीपुरम स्थित लविवि के नवीन परिसर में खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के महोत्सव संस्कृति सुरभि का समापन हो गया। समारोह का आयोजन डीन प्रो. बीडी सिंह व डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। आयोजन समिति के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र भी मौजूद रहे। हिंदी कविता में पीयूष सुंदरियाल, शिवांश मिश्रा, अनन्त मिश्रा विजेता रहे। अंग्रेजी पोएट्री में श्रेया त्रिवेदी, खुशी जैन, रिफत परवीन व अलीशा और हिंदी क्रिएटिव राइटिंग में मेधा कुमारी, मीना कुमारी, नेत्रिका एवं सुधाकर विजयी रहे। हिंदी स्टोरी टेलिंग में रिफत परवीन, पीयूष सुंदरियाल, खुशी जैन तो वहीं टेबल टेनिस (पुरुष) में आयुष, यश सिंह और फुटबॉल में इंटीग्रल विश्वविद्यालय विजेता व लखनऊ विवि उप विजेता रहा। भाला फेंक में संदीप पटेल, अभिषेक साहू, गौरव यादव विजेता रहे। (संवाद)

एक जिला-एक उत्पाद के तहत शुरू होंगे पाठ्यक्रम

लविवि : क्रेडिट भी मिलेंगे, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव ने दिए निर्देश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले शैक्षणिक सत्र से एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) आधारित कोर्सों की न सिर्फ पढ़ाई शुरू होगी बल्कि उसके लिए क्रेडिट भी मिलेंगे। उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव ने लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में इसका निर्देश दिया है।

कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद कई तरह के वोकेशन कोर्स (रोजगारपरक पाठ्यक्रम) चल रहे हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को सेमेस्टर स्तर पर चार क्रेडिट दिए जाते हैं। शासन और सरकार की मंशा है कि हम ओडीओपी उत्पाद से संबंधित वोकेशन कोर्स भी पाठ्यक्रम में शामिल करें। जिससे इस संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ ही शिक्षित किया जा सके।

छात्रों को दिया जाएगा सार्टिफेकट : इन पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों को अलग से प्रमाणपत्र देने की योजना भी है। इससे भविष्य में रोजगार या अन्य जगहों पर वह उसका इस्तेमाल कर सकेंगे। वर्तमान कोर्सों को पढ़ने पर उनकी मार्कशीट में सिर्फ क्रेडिट जुड़ते हैं जिनका उन्हें अलग से फायदा नहीं मिल पाता है।

रजिस्ट्रार ने कहा कि प्रमुख सचिव के निर्देश पर हम आगामी सत्र से इस व्यवस्था को लागू करने की योजना बना रहे हैं। जल्द इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों और संकाय अध्यक्षों को पत्र भेजकर सिलेबस तैयार करने के निर्देश दिए जाएंगे।

चिकनकारी, बागवानी व गन्ने पर आधारित कोर्स होंगे शुरू

एक जनपद-एक उत्पाद के तहत संबंधित जनपद के परंपरागत उत्पादों को बढ़ावा दिया जाता है। इस लिहाज से देखें तो राजधानी में जहां चिकनकारी और रेवड़ी आधारित उत्पाद यहां की पहचान हैं। मलिहाबाद में आम के बाग भी पूरे देशभर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे में इन पर आधारित उत्पाद से संबंधित कोर्स भी शुरू हो सकते हैं। इसी तरह लखीमपुर और सीतापुर में गन्ने की खेती का काफी क्रेज है। ओडीओपी में इसे भी कवर करने की योजना है।

लविवि : कार्यपरिषद की बैठक आज

लखनऊ। लविवि में रविवार को कार्यपरिषद की बैठक होगी। इसमें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले पदकों और प्रोन्नत हुए कई प्रोफेसरों के लिफाफे खुलेंगे। विवि में बनने वाले नए परीक्षा भवन जो 23 करोड़ की लागत से तैयार होगा, वित्त समिति से पास होने के बाद कार्यपरिषद के सामने रखा जाएगा। कई अन्य बिंदु कुलपति की सहमति से रखे जाएंगे। (संवाद)

परीक्षा फॉर्म भरने का आज अंतिम मौका

लखनऊ। लविवि में विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने का रविवार को अंतिम अवसर है। परीक्षार्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद उसका प्रिंट अपने विभाग में जमा करना होगा। (संवाद)

NBT PAGE 6

LU में होगी ODOP की पढ़ाई

स्नातक दूसरे और चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के तौर पर जोड़ सकते हैं

एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विवि के स्टूडेंट 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) के बारे में अब तफसील से पढ़ेंगे। इसके लिए ओडीओपी को कोर्स का हिस्सा बनाया जाएगा। स्नातक स्तर पर इसे वोकेशनल कोर्स के तौर पर शामिल करने की तैयारी है।

एलयू लगातार रोजगारपरक कोर्स शुरू करने पर फोकस कर रहा है। इसी कड़ी में सत्र 2024-25 से ओडीओपी को भी कोर्स का हिस्सा बनाने की तैयारी है। स्नातक के दूसरे और चौथे सेमेस्टर में इसे वोकेशनल कोर्स के तौर पर जोड़ने पर विचार हो रहा है। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि ओडीओपी का कोर्स तैयार करने के लिए एक समिति बनाई जाएगी।

अलग से मिलेगा सर्टिफिकेट

जानकारी के मुताबिक, पहले चरण में लखनऊ की चिकनकारी, जरी-जरदोजी, रायबरेली की काष्ठ कला, सीतापुर की दरी, हरदोई के हैंडलूम और लखीमपुर खीरी के जनजातीय शिल्प व गुड़ उत्पाद को वोकेशनल कोर्स में शामिल किया जाएगा। इसके बाद दूसरे उत्पाद जोड़े जाएंगे। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए स्टूडेंट्स को अलग से सर्टिफिकेट देने पर भी विचार चल रहा है।

NBT Lens — समझिए खबरों के अंदर की बात

क्यों जरूरी है यह कोर्स?

मौजूदा समय में ओडीओपी के लिए ज्यादा युवा आगे नहीं आ रहे। स्थानीय उत्पादों का महत्व कायम रखने और रोजगार बढ़ाने के लिए शासन लगातार ओडीओपी को बढ़ावा दे रहा है। इस पर प्रमुख सचिव ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रारों के साथ बैठक कर ओडीओपी के कोर्स शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एलयू ने इस पर काम शुरू कर दिया है। ऐसे कोर्सों से स्टूडेंट्स का स्किल डिवेलपमेंट होगा और वे आसानी से रोजगार हासिल कर सकेंगे। इसके साथ ओडीओपी के बारे में लोगों की समझ भी बढ़ेगी।

LU के दीक्षांत में मुख्य अतिथि होंगे पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव

एलयू के दीक्षांत समारोह में पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव मुख्य अतिथि होंगे। वह एलयू के पूर्व छात्र रहे हैं। कोविड-19 के दौरान कोवैक्सीन बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एलयू का 66वां दीक्षांत समारोह 6 दिसंबर को है। दीक्षांत समारोह के लिए मुख्य अतिथि पहले इसरो के अध्यक्ष एस.सोमनाथ से सम्पर्क किया गया था। सुरक्षा कारणों से वह नहीं आ सके। दीक्षांत के लिए मुख्य अतिथि के लिए नई दिल्ली स्थित एम्स के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव से भी सम्पर्क किया गया था। उन्होंने समारोह में शामिल होने के लिए सहमति दे दी। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पद्मश्री डॉ. बलराम एलयू के स्टूडेंट्स रहे हैं। उन्होंने केजीएमयू से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलॉजी (एमबीबीएस, एमडी, डीएम) किया है। जिस समय उन्होंने केजीएमयू से पढ़ाई की, केजीएमयू एलयू से सम्बद्ध था।

कोवैक्सीन बनाने में अहम भूमिका निभाई

कोविड-19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। इसके बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद संभाला। वह वर्तमान में स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन सेंटर, स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के लिए कार्यकारी निदेशक की भूमिका निभा रहे हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में क्लास मॉनीटर की व्यवस्था इसी सत्र से होगी: कुलपति

शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय बन गया है। इस दौड़ में राज्य का कोई केंद्रीय विश्वविद्यालय भी नहीं है। पहले नैक में ए डबल प्लस, फिर एनआईआरएफ, क्यूएस रैकिंग और अब प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय का तमगा। एलयू ने यह उपलब्धियां कैसे हासिल कीं, इसके क्या मायने हैं, क्या फायदे होंगे और भविष्य की योजनाओं पर शनिवार को हिन्दुस्तान ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से बात की।

विशेष बातचीत में कुलपति ने न केवल सवालों के जवाब दिए बल्कि मौजूदा दौर में विश्वविद्यालय को नई दिशा में ले जाने की रूपरेखा साझा की। कहा कि हम एलयू को विदेश तक ले जाएंगे। नेपाल में नए कैंपस के लिए बात आगे बढ़ चुकी है। बांग्लादेश, रूस, स्पेन, पोलैंड में एलयू का कैंपस खोलने की योजना है। दूरस्थ शिक्षा और डिजिटल एजुकेशन पर काम कर रहे हैं।

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

सवाल-जवाब

- **एलयू प्रदेश का पहला प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय बन गया है। इससे क्या-क्या फायदे होंगे?**
- कई मामलों में स्वतंत्रता मिली है। विभाग, पाठ्यक्रम, ऑफ कैंपस, दूरस्थ या ऑनलाइन एजुकेशन शुरू करने के लिए यूजीसी की अनुमति नहीं लेनी पड़ेगी। नैक, एनआईआरएफ, क्यूएस, टाइम्स रैंकिंग में बेहतर किया है। इस रैंकिंग से बाहर के लोग भी हमें मान्यता देते हैं।
- **राज्यपाल ने एक भाषण में कहा था कि उच्च शिक्षा में भी क्लास मॉनिटर होने चाहिए?**
- हम महामहिम की इच्छा अनुरूप इसी शैक्षणिक सत्र से कक्षाओं में मॉनीटर नियुक्त करेंगे।
- **आने वाले दिनों में एकेडमिक प्लान क्या है?**
- कृषि संकाय शुरू किया है। प्रबंधन संकाय भी बहुत जल्द खुल जाएगा। फाइन आर्ट्स फैकल्टी में पीजी स्तर पर ड्राइंग, डिजाइन, टेक्सटाइल कोर्स शुरू किए हैं। एग्जीक्यूटिव एमबीए शुरू करेंगे। कृषि संकाय के लिए शासन से जमीन मांगी गई है। सरोजनीनगर विधान सभा क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह ने भी सहयोग दिया है। इसी सत्र से ऑनलाइन एजुकेशन शुरू करेंगे। इससे प्रधानमंत्री के डिजिटल शिक्षक व छात्र की सोच को बढ़ावा मिलेगा। हमारी सोच है कि कोई बच्चा स्नातक करना चाहता है तो वह कहीं दूर भी है तो ऑनलाइन एजुकेशन से पढ़ाई कर सकेगा।
- **जी-20 देशों में कैंपस खोलने की योजना थी?**
- नेपाल से बात जारी है। प्रतिनिधि मंडल संग बांग्लादेश, स्पेन, पोलैंड और रूस भी जाएंगे। सबसे ज्यादा संभावना बांग्लादेश में है।
- **नए शैक्षणिक कैलेंडर में 15 दिन में परीक्षा कराने का प्रावधान है?**
- ज्यादातर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 15 दिनों में हो जाएंगी। दिक्कत बीए में आएगी। इसमें कई ग्रुप है।
- **आर्ट्स कॉलेज खुद को अलग-थलग पाता है?**
- वर्ष 1989 में एक शासनादेश में यह कहा गया कि आर्ट्स कॉलेज एलयू का संकाय रहेगा। दिक्कत आई कि अधिनियम में प्रावधान तो कॉलेज का है और शासनादेश एक्ट को बदल नहीं सकता। इसके लिए हमने शासन को एक पत्र लिखा है कि एक्ट में अगर बदलाव कर दिया जाए तो इसे हम पूरी तरह से समाहित कर लेंगे। जिसके बाद हम वहां रिक्त पदों पर भर्तियां व इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार कर, उसे दुरुस्त कर पाएंगे।

एलयू: राइफल-शूटिंग हॉल का उद्घाटन

लखनऊ। एलयू में राइफल शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। 63 बीएन एनसीसी में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने हॉल का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि हॉल में उन्नत आभासी लक्ष्य, परिष्कृत स्कोरिंग सिस्टम और वास्तविक समय प्रतिक्रिया तंत्र हैं। छात्रों को सटीकता और दक्षता के साथ अपने निशानेबाजी कौशल को निखारने में सक्षम बनाता है।

कॉलेजों की संबद्धता पर फैसला आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक में कई शिक्षकों के पदोन्नति के लिफाफे खोले जाएंगे। कॉलेजों को स्किल कोर्सेज के लिए संबद्धता और नए परीक्षा भवन, नवीन परिसर के बाउंड्री वाल समेत 11 नए निर्माणों व कार्यों के प्रस्तावों पर भी फैसला किया जाएगा।

एलयू में रविवार को दोपहर 12 बजे से प्रशासनिक भवन के मंथन कक्ष में कार्य परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें प्रति कुलपति की नियुक्ति, कनिष्ठ सहायक मुकेश धर दुबे के प्रत्यावेदन समेत कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मोहर लगेगी।

एलयू में पढ़ाएंगे लखनऊ की चिकनकारी

वोकेशनल कोर्स

05 संबद्ध जिलों में वहां के किसी उत्पाद से जुड़ा कोर्स पढ़ाएंगे **24**-25 सत्र के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में होंगे शामिल

- ओडीओपी से जुड़े कोर्स विश्वविद्यालय में शुरू करने की तैयारी
- स्नातक पाठ्यक्रमों के दूसरे और चतुर्थ सेमेस्टर में पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) से जुड़े कोर्स शुरू किए जाएंगे। जिससे छात्रों के कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा।

एलयू में अब छात्रों को ओडीओपी से जुड़े उत्पादों के बारे में पढ़ाया जाएगा। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि सत्र 2024-25 से ओडीओपी से जुड़े उत्पादों को वोकेशनल कोर्स के तौर पर शामिल करने की योजना है। जो चार क्रेडिट का होगा। प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में ओडीओपी से संबंधित कोर्स शुरू की तैयारी है। इस संबंध में गुरुवार को प्रमुख सचिव ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलसचिव की बैठक में निर्देश दिए।

एलयू प्रशासन के अनुसार प्रमुख सचिव की ओर से ओडीओपी को कोर्स में शामिल करने के निर्देश मिले हैं। जिसे स्नातक दूसरे व चतुर्थ सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले वोकेशनल कोर्स के रूप में जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। इसके सिलेबस को बनाने में संबद्ध जिलों के स्थायी शिक्षकों से भी सहयोग लिया जाएगा। जिससे कोर्स में उत्पाद से जुडी कोई बात छूट न जाए।

इन उत्पादों से सजेगा पाठ्यक्रम

लखनऊ की चिकनकारी, जरी-जरदोजी, रायबरेली की काष्ठ कला, सीतापुर की दरी, हरदोई के हैंडलूम व लखीमपुर खीरी के जनजातीय शिल्प व गुड़ उत्पाद से जुड़े वोकेशनल कोर्स शुरू किए जाएंगे। एलयू प्रशासन के अनुसार संबद्ध पांचों जिलों में वहां के उत्पाद से ही जुड़ा कोर्स छात्र चुनेंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे एम्स के पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि एम्स, नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव होंगे, जोकि लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं। यह समारोह विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में 6 दिसंबर को आयोजित होगी।

उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। अपने विशिष्ट करियर के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद संभाला। 2023 में रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म द वैक्सीन वॉर प्रो. बलराम भार्गव के जीवन और कार्य से प्रेरित थी। इसके अलावा, वह वर्तमान में स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन सेंटर, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन (एसआईबी) के लिए कार्यकारी निदेशक की भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. भार्गव ने 2018 और 2020 के बीच देश में जीका और निपाह के प्रकोप को रोकने के लिए भारत के प्रयासों का भी सफलतापूर्वक नेतृत्व किया।

- चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए पहचाने जाने जाते हैं डॉ. भार्गव
- डॉ. बलराम भार्गव के जीवन और कार्य से प्रेरित थी फिल्म द वैक्सीन वॉर

कुलपति ने दीक्षांत समारोह स्थल का किया निरीक्षण

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 6 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह स्थल का शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले गेट संख्या दो के पास निरीक्षण करके वहां पर लगने वाले बैनर, गेट के बारे में निर्देशित किया। कुलपति ने कला संकाय प्रांगण में तैयार हो रहे पंडाल का निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों को शोभा यात्रा के आने-जाने का मार्ग, साफ सफाई और सौंदर्यकरण का विशेष रूप से ध्यान रखने का निर्देश दिया।

राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन

लखनऊ। राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में 63 बीएन एनसीसी में किया। राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति से सुसज्जित है, जो एनसीसी कैडेटों और अन्य एनसीसी छात्रों को एक गहन राइफल-शूटिंग अभ्यास अनुभव देता है। हॉल में उन्नत आभासी लक्ष्य, परिष्कृत स्कोरिंग सिस्टम और वास्तविक समय प्रतिक्रिया तंत्र हैं, जो छात्रों को सटीकता और दक्षता के साथ अपने निशानेबाजी कौशल को निखारने में सक्षम बनाता है। उद्घाटन समारोह में ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, कमांडर एनसीसी ग्रुप लखनऊ, कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल राकेश तिवारी, एडम ऑफिसर, 63 यूपी बीएन एनसीसी और विश्वविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित अधिकारी, लखनऊ विश्वविद्यालय के एएनओ मेजर राजेश के साथ शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, लेफ्टिनेंट कमांडर डीके सिंह. नेवल बीएन एनसीसी, सीटी रजनेश यादव एवं रक्षा अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. ओ.पी.शुक्ला उपस्थित रहे। राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन एनसीसी प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय की खोज का एक प्रमाण है। वह उल्लेखनीय सुविधा निस्संदेह कैडेटों और छात्रों के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनुभव को बढ़ाएगी, उन्हें निशानेबाजी में उत्कृष्टता प्राप्त करने और इस क्षेत्र में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कौशल और आत्मविश्वास से लैस करेगी। उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व-दीक्षांत समारोह-2023 का भाग था।

JAGRAN CITY PAGE III

कबड्डी में केकेसी और नुक्कड़ नाटक में आइटी कालेज प्रथम

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चल रहे पांच दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के महोत्सव 'संस्कृति सुरभि' का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रतियोगिताओं के टाप-थ्री विजेताओं को पदक एवं टीमों को ट्राफी देकर सम्मानित किया।

महिला कबड्डी में श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी) की टीम विजेता बनी। एलपीसीपीएस कालेज की टीम उप विजेता रही। नुक्कड़ नाटक की प्रतियोगिता में आइटी कालेज की टीम प्रथम लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम द्वितीय स्थान पर रही। खेल एवं संस्कृति समिति के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र ने बताया कि शाम को फैशन शो सहित कई प्रतियोगिताएं भी हुईं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को रविवार को द्वितीय परिसर में प्रमाण पत्र वितरित किया जाएगा।

लिटरेरी प्रतियोगिता में इन्हें मिला प्रथम स्थान : हिंदी पोयट्री-पीयूष सुंदरियाल, अंग्रेजी पोयट्री-श्रेया त्रिवेदी, हिंदी क्रिएटिव राइटिंग में मेधा कुमारी, हिंदी स्टोरी टेलिंग में रिफत परवीन ने पहला स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर पुरुषों की दौड़ में रिशु और महिलाओं में अनन्या पहले स्थान पर रहीं। पुरुषों के 200 और 400 मीटर दौड़ में तुषार और 800 मीटर में राम ने पहला स्थान जीता। रिले रेस में तुषार और महिलाओं में निधि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पद्मश्री डा. बलराम भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

लवि के छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह की तैयारियों का कुलपति ने लिया जायजा

पद्मश्री डा. बलराम भार्गव ● सौजन्य : लवि

दीक्षा समारोह के लिए कला संकाय प्रांगण में बनाए जा रहे पंडाल का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश ● सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि एम्स नई दिल्ली में कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डा. बलराम भार्गव होंगे। अभी तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ का नाम प्रस्तावित था। शनिवार को लवि प्रशासन ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पद्मश्री डा. बलराम भार्गव लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हैं। उन्होंने किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलाजी (एमबीबीएस, एमडी, डीएम) में स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिस्ट मेडिकल डिग्री प्राप्त की। उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान स्वदेशी वैक्सीन के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद संभाला।

उनके जीवन पर बनी थी फिल्म : वर्ष 2023 में रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म 'द वैक्सीन वार' प्रोफेसर बलराम भार्गव के जीवन और कार्य से प्रेरित थी। वह वर्तमान में स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन सेंटर, स्कूल आफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के लिए कार्यकारी निदेशक की भूमिका निभा रहे हैं। डा. भार्गव ने 2018 और 2020 के बीच देश में जीका और निपाह के प्रकोप को रोकने के लिए भारत के प्रयासों का भी सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए पहचाना जाता है। उन्हें कई प्रशंसाएं और पुरस्कार मिल चुके हैं।

कुलपति ने किया समारोह स्थल का निरीक्षण: समारोह के लिए कला संकाय प्रांगण में भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने समारोह स्थल का निरीक्षण किया। गेट संख्या-दो के पास निरीक्षण करके वहां पर लगने वाले बैनर, गेट के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने उस स्थल का भी निरीक्षण किया जहां पर राज्यपाल राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण करेंगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति में दिखी विविध विरासत

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा सप्ताह के अंतर्गत इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से आयोजित हमारी विविध विरासत विषय पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। बी.फार्मा की छात्रा दीपा त्रिपाठी ने वा वाठी गीत से तमिल कल्चरल डांस किया। दीपांशी श्रीवास्तव ने गुजराती रिदम पर भारतीय परम्परा को प्रदर्शित किया। बरसों रे मेघा गीत पर प्रेरणात्मक डांस प्रस्तुत किया। अमृता और हर्षिता ने मराठी परम्परा का प्रदर्शन पिंगा गीत के साथ किया। निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

तमिल कल्चरल डांस करती छात्रा दीपा त्रिपाठी ● जागरण

आज भी खुले रहेंगे प्रशासनिक कार्यालय

समारोह की तैयारियों को लेकर रविवार को भी लवि के सभी प्रशासनिक कार्यालय खुले रहेंगे। सभी अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षक भी अपने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी किए हैं।

राइफल शूटिंग सिम्युलेटर हाल का उद्घाटन

जासं, लखनऊ : लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हाल का उद्घाटन किया। यह हाल प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति से सुसज्जित है। यह सुविधा कैडेटों और छात्रों के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनुभव को बढ़ाएगी। उन्हें निशानेबाजी में उत्कृष्टता प्राप्त करने, कौशल एवं आत्मविश्वास से लैस करेगी।

इस अवसर पर एनसीसी ग्रुप लखनऊ के कमांडर ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, कर्नल हर्ष कुमार झा, कर्नल राकेश तिवारी, 63 यूपी बीएन एनसीसी और विश्वविद्यालय के एएनओ मेजर राजेश, मेजर किरण लता डंगवाल, नेवल बीएन एनसीसी, सीटी रजनेश यादव एवं रक्षा अध्ययन विभाग के समन्वयक डा. ओपी शुक्ला उपस्थित रहे।

राजभवन में बच्चे सीखेंगे ड्राइंग पेंटिंग : लवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय की ओर से राजभवन में संचालित उच्चतर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को कला प्रशिक्षण देने की शुरुआत हो गई। शोध छात्रा अपराजिता ने बच्चों को इसके बारे में बताया। कालेज के प्राचार्य प्रो. रतन कुमार ने बताया कि कुलाधिपति ने यह प्रशिक्षण शुरू कराने के लिए कहा था। उनके निर्देश पर यह प्रशिक्षण शुरू कराया गया है। कालेज की ओर से अतिथि शिक्षक, शोधार्थी और पीजी के वरिष्ठ छात्र हर शनिवार को बच्चों को ड्राइंग, पेंटिंग आदि सिखाएंगे। इसका समय दोपहर दो से शाम चार बजे तक रहेगा।

भारतीय समाजशास्त्र की विषय वस्तु के पुनरीक्षण पर करें चिंतन : प्रो. विवेक

जासं, लखनऊ : 'यूरोप, फ्रांस, अमेरिका हो या जापान, पूरे विश्व में सभी जगह अपने-अपने समाज के आधार पर समाजशास्त्र की विषय वस्तु का निर्धारण किया गया है। बार-बार उस पर लौट कर वह लोग इसका पुनरीक्षण भी कर रहे है। इस आधार पर देखें तो कहीं ना कहीं हमें लगता है कि किस प्रकार हमें भारतीय समाजशास्त्र की विषय वस्तु, उसके पद्धति शास्त्र तथा उसकी ज्ञान मीमांसा पर पुनरीक्षण करना चाहिए।' यह विचार जेएनयू के स्कूल फार सोशल सिस्टम के प्रो. विवेक कुमार ने लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित 'भारतीय सार्वभौमिकता : भारतीय समाजशास्त्र की एक परिकल्पना' विषय पर वक्ता के रूप में रखे। डीपी मुकर्जी सभागार में हुई संगोष्ठी में प्रो. विवेक कुमार ने कहा कि भारतीय समाज की विषय वस्तु, उसकी पद्धति शास्त्र तथा उसकी ज्ञान मीमांसा भारतीय सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत कैसे तैयार किया जाए, इस पर चिंतन और अध्ययन करने की आवश्यकता है। भारतीय समाज के अंतर्गत जो भी ज्ञान है। उसको पारलौकिक रूप में ही बताया जाता रहा है, जबकि उसे लौकिक रूप में नहीं देखा गया। इसलिए हमें फिर से पुनः यह बताना पड़ेगा कि किस प्रकार हमारा समाजशास्त्र अर्थात हमारे समाज का जो ज्ञान है वह पारलौकिक नहीं, इहलोक से वास्ता रखता है। विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने प्रो. विवेक कुमार का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. पवन कुमार मिश्र, प्रो. उदयभान सिंह, प्रो. संगीता चंद्रा सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 4

शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का वीसी ने किया आरंभ

LUCKNOW(2 Dec): दीक्षांत समारोह के दौरान चल रहे प्री कन्वोकेशन प्रोग्राम के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी परिसर में 63 बीएन एनसीसी में शनिवार को राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने किया. राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल नई टेक्नोलॉजी के जरिए एनसीसी कैडेटों और अन्य एनसीसी छात्रों को राइफल-शूटिंग अभ्यास का अनुभव देगा. इस हॉल में वर्चुअल टारगेट्स, स्कोरिंग सिस्टम और रियल टाइम फीडबैक की व्यवस्था की गई है जो छात्रों को सटीकता और दक्षता के साथ अपने निशानेबाजी कौशल को निखारने में सक्षम बनाएगा. उद्घाटन समारोह में ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, कमांडर एनसीसी ग्रुप लखनऊ, कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल राकेश तिवारी, एडम ऑफिसर, 63 यूपी बीएन एनसीसी और एलयू के अन्य अधिकारी मौजूद रहे. एलयू के एएनओ मेजर राजेश के साथ शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, लेफ्टिनेंट कमांडर डीके सिंह, नेवल बीएन एनसीसी, सीटी रजनेश यादव एवं रक्षा अध्ययन विभाग के समन्वयक डॉ. ओपी शुक्ला ने भी उपस्थिति दर्ज कराई.

पद्मश्री डॉ. बलराम होंगे मुख्य अतिथि

लखनऊ यूनिवर्सिटी में दीक्षांत को लेकर तेजी से चल रही तैयारियां

LUCKNOW (2 Dec): एम्स नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव एलयू के 66वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. प्रो. भार्गव एलयू के पूर्व छात्र हैं. उन्होंने केजीएमयू से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलॉजी (एमबीबीएस, एमडी, डीएम) में स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिस्ट मेडिकल डिग्री ली है.

निभाया अहम रोल

उन्हें कोविड के दौरान स्वदेशी कोवैक्सीन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था. उन्होंने पहले नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक के रूप में कार्य किया और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तहत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव का पद संभाला. मौजूदा समय में स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन सेंटर, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के लिए कार्यकारी निदेशक की भूमिका निभा रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म द वैक्सीन वॉर उन्हीं के जीवन से प्रेरित थी.

कई उपलब्धियां उनके नाम

डॉ. भार्गव ने 2018 और 2020 के बीच देश में जीका और निपाह के प्रकोप को रोकने के लिए प्रयास किए. 2019 में उन्हें गुजर मल विज्ञान पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया. भारतीय विज्ञान कांग्रेस का एसएन बोस शताब्दी पुरस्कार, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का प्लेटिनम जुबली पुरस्कार और वासविक पुरस्कार शामिल है.

कुलपति ने लिया दीक्षांत की तैयारियों का जायजा

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने 6 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह स्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने सबसे पहले गेट संख्या 2 के पास निरीक्षण करके वहां पर लगने वाले बैनर, गेट के बारे में निर्देशित किया. इसके बाद राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के अनावरण किए जाने वाले स्थल को भी देखा. कला संकाय प्रांगण में तैयार हो रहे पंडाल का निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों को शोभा यात्रा के आने-जाने का मार्ग, साफ सफाई और सौंदर्य करण का विशेष रूप से ध्यान रखने का निर्देश दिया.

सुरभि में दिखे कला के कई रंग

LUCKNOW(2 Dec): जानकीपुरम स्थित लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकंड कैम्पस में चल रहे खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का महोत्सव संस्कृति सुरभि का समापन हो गया. संस्कृति सुरभि का यह 13 वां संस्करण है. कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार राय कार्यक्रम का हिस्सा रहें. सभी स्टूडेंट्स की प्रस्तुति की सराहना करने के साथ ही न्यू कैम्पस के अधिकारियों का आभार जताया. कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित किया गया.

यह बने विजेता

कार्यक्रम में हिन्दी पोएट्री में पीयूष सुंदरियाल, शिवांश मिश्रा और अनन्त मिश्रा पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे. अंग्रेजी पोयट्री में श्रेया त्रिवेदी, खुशी जैन और रिफत परवीन व अलीशा ने बाजी मारी. हिंदी क्रिएटिव राइटिंग में मेधा कुमारी, मीना कुमारी और नेत्रिका व सुधाकर, हिंदी स्टोरी टेलिंग में रिफत परवीन, पीयूष सुंदरियाल और खुशी जैन विजेता बनीं. 100 मीटर पुरुषों के रेस में में रिशु,तुषार एव नव्य, महिलाओं में अनन्या, प्रियांशी एव स्वप्निल ने पहला दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया. 200 मीटर पुरुष में तुषार अव्वल रहे.

TOI PAGE 3

AIIMS faculty to be chief guest at LU convocation

Times News Network

Lucknow: Lucknow boy **Dr Balram Bhargava,** who is now chief of the Cardiothoracic Centre at All India Institute of Medical Sciences, Delhi, will be the chief guest at Lucknow University's convocation ceremony to be held on December 6 at the old campus.

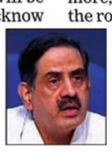

Dr Bhargava did his schooling from La Martiniere College and obtained his undergraduate, postgraduate, and super-specialist medical degrees in Clinical Medicine and Cardiology (MBBS, MD, DM) from King George's Medical University, Lucknow.

He is known for his substantial contributions to the development of indigenous Covaxin during the Covid-19 pandemic. With a distinguished career, he previously served as the director general of the Indian Council of Medical Research (ICMR) in New Delhi and held the position of secretary in the department of health research under the ministry of health and family welfare, government of India.

"Bhargava is known for his extraordinary contribution to medical sciences. A movie 'The Vaccine War', directed by Vivek Agnihotri, was inspired by the life and work of Dr. Balram Bhargava. Furthermore, he currently holds the role of executive director for the Stanford India Biodesign Centre, School of International Biodesign (SiB)," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said Dr. Bhargava also successfully led India's efforts to contain the Zika and Nipah outbreaks in the country between 2018 and 2020. His speech at LU's convocation ceremony will motivate and inspire our students. In 2019, Dr Bhargava was bestowed with the Gujar Mal Science Award 2018. His list of prestigious awards includes the S. N. Bose centenary award of the Indian Science Congress, Platinum Jubilee Award of the National Academy of Sciences, and the Vasvik Award.

The government of India acknowledged his contributions by conferring upon him the Padma Shri in 2014, recognizing his noteworthy work in cardiology and medicine.

Rifle-shooting simulator hall opens at LU

Lucknow: A rifle-shooting simulator hall was inaugurated at 63 Battalion National Cadet Corps (NCC) office at Lucknow University on Saturday.

"The rifle-shooting simulator hall is equipped with the latest advancements in technology, providing NCC cadets and other students with an immersive rifle-shooting experience. The hall boasts of advanced virtual targets, sophisticated scoring systems and feedback mechanisms, enabling students to refine their marksmanship skills," said LU spokesperson Dugesh Srivastava.

He said the facility would elevate the NCC training experience for cadets and students alike, equipping them with the skills and confidence and achieve their goals in this domain.

The inaugural was part of the pre-convocation event 2023. The hall stands as a testament to the university's unwavering pursuit of excellence in NCC training, he added.

The function witnessed the presence of Brig Neeraj Punetha, Cdr NCC Group Lucknow, Col.Harsh Kumar Jha, SM Commanding Officer, Col. Rakesh Tiwari, Adam Officer, 63 UP BN NCC, defence studies department coordinator Prof OP Shukla and others. TNN

LOKSATYA PAGE 3

एलयू में राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल का उद्घाटन

लखनऊ, लोकसत्य

राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल, जो एनसीसी कैडेटों के लिए अद्वितीय सेवाओं में से एक है, का उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में 63 बीएन एनसीसी में किया।

राइफल-शूटिंग सिम्युलेटर हॉल प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति से सुसज्जित है। जो एनसीसी कैडेटों और अन्य एनसीसी छात्रों को गहन राइफल-शूटिंग अभ्यास अनुभव प्रदान करता है। हॉल में उन्नत आभासी लक्ष्य, परिष्कृत स्कोरिंग सिस्टम और वास्तविक समय प्रतिक्रिया तंत्र हैं, जो छात्रों को सटीकता और दक्षता के साथ अपने निशानेबाजी कौशल को निखारने में सक्षम बनाता है। उद्घाटन समारोह में ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, कमांडर एनसीसी ग्रुप लखनऊ, कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम कमांडिंग ऑफिसर, कर्नल राकेश तिवारी, एडम ऑफिसर, 63 यूपी बीएन एनसीसी और विश्वविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित अधिकारी, लखनऊ विश्वविद्यालय के एएनओ मेजर राजेश के साथ शुक्ला, मेजर किरण लता डंगवाल, लेफ्टिनेंट कमांडर डी.के. सिंह. नेवल बीएन एनसीसी रहे।

Lucknow 03-12-2023
http://epaper.loksatya.com/
लोकसत्य

अपशिष्ट जल नदियों-झीलों में छोड़ने से पहले उपचार हो

चर्चा

- लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के संरक्षण में अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने निरंतर प्रयास में प्री कन्वोकेशन समारोह के एक भाग के रूप में सातवें विशेष सामान्य व्याख्यान आयोजित किया।

विश्वविद्यालय की। यह व्याख्यान आईआईटी गुवाहाटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग की कोमल वर्मा ने दिया । श्रोताओं से उनका परिचय डॉ. सुशील कुमार मौर्य ने कराया। 'अनलॉकिंग एनवायर्नमेंटल सॉल्यूशंसः अपशिष्ट जल उपचार के लिए हाइब्रिड उन्नत ऑक्सीकरण प्रक्रियाओं में उत्प्रेरक' विषयक व्याख्यान में उन्होंने विचार-विमर्श किया।

उन्होंने कहा कि नदियों और झीलों जैसे प्राकृतिक जल निकायों में छोड़ने से पहले औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार और खनिजीकरण, प्रक्रिया उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है।उन्होंने यह उल्लेख करते हुए निष्कर्ष निकाला कि उनकी जांच का मुख्य लक्ष्य अपशिष्ट जल उपचार तकनीकों की प्रभावशीलता को बढ़ाना था, जो किफायती होने के साथ-साथ पर्यावरण की दृष्टि से भी व्यवहार्य है। विभाग के प्रमुख प्रो अनिल मिश्रा ने आभार जताया। रसायन विज्ञान विभाग के एम.एससी., पीएच.डी. छात्रों के साथ साथ संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम | कार्यशाला में डॉक्टर मधुरिमा प्रधान, डॉ विनीत डेविड, डॉ अनु कोहली, डॉ मेघा शामिल रहे

पूर्व दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में दिखा उत्साह

कार्यशाला

- लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय काउंसलिंग एवं गाइडेंस सेल ने उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के सहयोग से हैप्पी थिंकिंग लैब में भाषा एवं व्यक्तित्व निर्माण विषयक 0 कार्यशाला की। बतौर अतिथि प्रो रश्मि कुमार, विभाग अध्यक्ष, हिंदी विभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय,प्रेरणा माथुर सहायक प्रो संस्कृत व प्राच्य अध्ययन विभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो मैत्रेयी प्रियदर्शनी, निदेशक हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी, लखनऊ विश्वविद्यालय शामिल थीं। प्रो रश्मि कुमार ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए व्यक्तित्व निर्माण में इसके योगदान को बताया उन्होंने विभिन्न उदाहरण के माध्यम से अपनी अपनी बात को श्रोताओं तक पहुंचाया। वक्ता डॉ प्रेरणा माथुर ने भाषा एवं व्यक्तित्व के संबंध पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में हैप्पी थिंकिंग लैब की संस्थापक डॉक्टर मधुरिमा प्रधान, डॉ विनीत डेविड, डॉ अनु कोहली, डॉ मेघा सहित स्टूडेंट्स शामिल हुए। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव का इस कार्यक्रम में अमूल्य सहयोग मिला। - दीक्षांत समारोह के पूर्व हुए कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व दीक्षान्त समारोह सप्ताह (प्री-कन्वोकेशन वीक) के तहत भूगोल विभाग में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचनातंत्र की मौलिक संकल्पना एवं अनुप्रयोग विषयक व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता डॉ जय कुमार मिश्र (प्रोजेक्ट साइंटिस्ट, उत्तर प्रदेश रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर जानकीपुरम, लखनऊ) ने भूगोल विभाग के विद्यार्थियों को सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचनातंत्र की कार्यप्रणाली, मानव कार्यशैली एवं भूगोल में इसके बढ़ते महत्व, कृषि प्रबन्धन, आपदा प्रबन्धन, नगर नियोजन एवं यातायात संचार प्रणाली में इसके अनुप्रयोग से परिचित कराया। आयोजन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो संगीता साहू ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। **अर्थशास्त्र विभाग में हुआ कार्यक्रम:** अर्थशास्त्र विभाग में भी दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत 'डिजिटल पेमेंट्स ड्यूरिंग दी ग्रोथ ऑफ इंडियन इकोनॉमी' विषयक निबंध प्रतियोगिता हुई। स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र सेमेस्टर प्रथम एवं तृतीय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह ने कहा की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकसित होता है। स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना उत्पन्न होती है । विभाग का प्रयास समाज के लिए सुयोग्य नागरिक निर्माण करना है। सह कुलानुशासक प्रो मनोज शर्मा, एडिशनल डीएसडब्ल्यू प्रो अशोक कुमार कैथल, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ अल्पना लाल, डॉ शशि लता सिंह, डॉ प्रीति सिंह, डॉ कामना सेन गुप्ता, डॉ उर्वशी सिरोही, डॉ दिनेश यादव एवं डॉ हरनाम सिंह मौजूद रहे। रंगों की अभिव्यक्तिः व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने पूर्व-दीक्षांत समारोह के अन्तर्गत पांच दिवसीय समारोह 'उद्भव' के दूसरे दिन, रंगोली प्रतियोगिता हुई। स्टूडेंट्स ने जटिल और रंगीन रंगोलियों के निर्माण के माध्यम से कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया।